Hindi Murli Quiz 03-03-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) **.....| दु:ख तो गले से जैसे बाँधा हुआ है।**

A. अभी बाप समझाते हैं-तुम इन आखों से जो कुछ देखते हो वह विनाश होने का है।
B. भल कोई सारा दिन राम-राम बैठ जपे, तो भी दु:ख हर नहीं सकते। यह है ही रावण राज्य।
C. एक तरफ शिव जयन्ती भी मनाते हैं, दूसरे तरफ फिर कहते नाम-रूप से न्यारा है।

Q.2) **इनमें से सही वाक्यों का चयन करें |**

(उत्तर एक या एक से ज्यादा भी हो सकते हैं)

A. घर की याद के साथ-साथ पावन बनने के लिए बाप को भी जरूर याद करना है।
B. पैगम्बर बन सबको बाप और वर्से को याद करने का पैगाम देना है।
C. इस पुरानी दुनिया में कोई चैन नहीं है, यह छी-छी दुनिया है इसे भूलते जाना है।

Q.3) **बच्चों से जब कोई काम ठीक नहीं होता है तो बाबा कहते ....**

A. तुम तो जैसे मूर्ख हो |
B. तुम तो जैसे भक्त हो।
C. तुम तो जैसे पत्थरबुद्धि हो |

Q.4) **जिनका कोई आकार वा साकार चित्र है ....**

A. उनको भगवान नहीं कह सकते।
B. उनको सद्गति दाता नहीं कह सकते।
C. उनको गुरु नहीं कह सकते।

Q.5) **समझते हैं नदी पतित-पावनी है, उसमें स्नान कर हम पावन बन जायेंगे। भक्ति मार्ग में यह भी किसको पता नहीं पड़ता कि ....**

A. हम गिरते ही आते हैं !
B. हमको चाहिए क्या!
C. हम किसको याद करते हैं !

Q.6) **आज के वरदान अनुसार किस अभ्यास को निरन्तर और नेचुरल बनाओ ?**

A. मन्सा और कर्मणा दोनों साथ-साथ सेवा
B. सर्व अनुभवों की अथॉरिटी
C. बाप की याद

Q.7) **अब बाप को और स्वर्ग को याद करो तो अन्त मती सो गति हो जायेगी। शादी आदि में भी भल मत जाओ |**

A. False / ये वाक्य गलत है
B. True / ये वाक्य सही है

Q.8) **अभी तुम बच्चे जानते हो हमको पढ़ाने वाला कोई देहधारी नहीं है, शास्त्र आदि सब कुछ पढ़ा हुआ है। इसलिए तुम्हें उनका सार सुनाते हैं |**

A. False / ये वाक्य गलत है
B. True / ये वाक्य सही है

Q.9) **शब्दों को अर्थों के अनुसार जोडें --**

	Choice		Match
A	तुम काल पर जीत पाते हो।	1	नईया हिलेगी-डुलेगी लेकिन डूब नहीं सकती
B	अपने शान्तिधाम को याद करते रहेंगे	2	कि विनाश होना है	
C	साधू-सन्त आदि ऐसे नहीं कहेंगे|	3	अन्त मती सो गति हो जायेगी।
D	एक दिन अखबारों में भी पड़ेगा कि भगवान कहते हैं -	4	कभी किसको मानेंगे, कभी किसको मानेंगे।
E	वास्तव में हिदू कहलाने वाले अपने असली धर्म को जानते नहीं हैं	5	मुझे याद करने से ही तुम पतित से पावन बन जायेंगे।
F	ज्ञान का सागर है तो जरूर मुख से आकर समझाना पड़े।	6	इसी में ही मेहनत है।

G	घर की याद के साथ-साथ बाप की याद भी जरूरी है	7	फिर है काम का कांटा।
H	पहला नम्बर है देह-अभिमान का कांटा।	8	घर कोई पतित-पावन नहीं है।
I	देही-अभिमानी बन अपने को बिन्दी समझ बाप को याद करना	9	प्रेरणा तो नहीं करेंगे।
J	तुम बाप से सच्चे होकर रहो	10	वहाँ कभी अकाले मृत्यु नहीं होता।

Q.10) **झूठ की नाव हिलती नहीं है, इनको कितना हिलाने की करते हैं। जो यहाँ इस नांव में बैठे हुए हैं वह भी हिलाने की कोशिश करते हैं।__ गाये जाते हैं ना।**

A. देवता

B. ब्राह्मण

C. ट्रेटर